BYJU'S EXAM PREP | IAS

The Ultimate Guide to
UPSC CSE Preparation

INDEX

परीक्षा मार्गदर्शन	03
पिछले वर्षों के UPSC प्रारंभिक परीक्षा में समसामयिक की भारिता (महत्त्व)	07
मुख्य (प्रधान) परीक्षा (व्यक्तिपरक/व्याख्यात्मक प्रकार)	09
साक्षात्कार परीक्षण	17
छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियां	18
IAS के अभ्यर्थियों के लिए तैयारी की रणनीति	19

1. परीक्षा मार्गदर्शन

सिविल सेवा परीक्षा, संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा हर साल आयोजित की जाती है। इसके तीन चरण हैं। UPSC, प्रारंभिक परीक्षा से कुछ महीने पहले सिविल सेवा परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी करता है।

सिविल सेवा परीक्षा

- **प्रारंभिक परीक्षा**
- **मुख्य (प्रधान) परीक्षा**
- **साक्षात्कार परीक्षण**

प्रारंभिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन 100 प्रश्न 200 अंक

- **समसामयिक घटना -** राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं
- **इतिहास -** भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
- **भूगोल -** भारत एवं विश्व भूगोल - भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल
- **भारतीय राज्यतन्त्र और शासन -** संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे आदि
- **आर्थिक और सामाजिक विकास -** सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि
- **पर्यावरण -** पर्यावरणीय पारिस्थितिकी जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है
- **विज्ञान -** सामान्य विज्ञान

CSAT 80 प्रश्न 200 अंक

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर- वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि - दसवीं कक्षा का स्तर)

प्रारंभिक परीक्षा के लिए ध्यान देने योग्य बातें

1. दसवीं कक्षा के स्तर (CSAT-II पाठ्यक्रम का अंतिम भाग) का अंग्रेजी भाषा बोधगम्यता कौशल से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्न पत्र में उसका हिंदी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना केवल अंग्रेजी भाषा के परिच्छेदों के माध्यम से किया जाएगा।

2. प्रश्न बहुविकल्पीय, वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

   यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंक प्रदान किया जाता है। एक गलत उत्तर के मामले में उस विशेष प्रश्न को आबंटित अंक का 1/3 अंक काटा जाएगा।

3. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र- II (सीसैट) को 2015 से अर्हक (qualifying) बनाया गया है। इस प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण होने के लिए एक अभ्यर्थी को न्यूनतम 33% अंक प्राप्त करने होते हैं। इस प्रश्न पत्र में प्राप्त अंकों को सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र- I में प्राप्त अंकों में नहीं जोड़ा जाएगा, जिससे प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए कट-ऑफ में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

4. एक अभ्यर्थी जिस वर्ष प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होगा, उस वर्ष के 1 अगस्त तक उसकी न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है।

प्रयासों की संख्या:

श्रेणी	आयु सीमा	प्रयास
सामान्य	32	6
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	35	9
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (SC/ST)	37	असीमित
विकलांग (PH) (सामान्य)	42	9
विकलांग (PH) (अन्य श्रेणी)	42	उम्मीदवार की श्रेणी के अनुसार

5.
- प्रारंभिक परीक्षा में बैठने को एक प्रयास (attempt) माना जाएगा।
- यदि कोई अभ्यर्थी वास्तव में प्रारंभिक परीक्षा के किसी एक पेपर में शामिल होता है, तो इसे परीक्षा में बैठने का प्रयास (attempt) माना जाएगा।
- योग्यता न होने/उम्मीदवारी निरस्त होने के बावजूद, परीक्षा में अभ्यर्थी की उपस्थिति को एक प्रयास के रूप में गिना जाएगा।

6. सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा निम्नलिखित सेवाओं और पदों के लिए आयोजित की जाएगी:

I. भारतीय प्रशासनिक सेवा

II. भारतीय विदेश सेवा

III. भारतीय पुलिस सेवा

IV. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, ग्रुप 'क'

V. भारतीय सिविल लेखा सेवा, ग्रुप 'क'

VI. भारतीय कॉरपोरेट विधि सेवा, ग्रुप 'क'

VII. भारतीय रक्षा लेखा सेवा, ग्रुप 'क'

VIII. भारतीय रक्षा संपदा सेवा, ग्रुप 'क'

IX. भारतीय सूचना सेवा (कनिष्ठ ग्रेड), ग्रुप 'क'

X. भारतीय डाक सेवा, ग्रुप 'क'

XI. भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा, ग्रुप 'क'

XII. भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा, ग्रुप 'क'

XIII. भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क), ग्रुप 'क'

XIV. भारतीय राजस्व सेवा (आयकर), ग्रुप 'क'

XV. भारतीय व्यापार सेवा, ग्रुप 'क' (ग्रेड III)

XVI. भारतीय सेना मुख्यालय सिविल सेवा, ग्रुप 'ख' (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)

XVII. दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली सिविल सेवा, ग्रुप 'ख'

XVIII. दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली पुलिस सेवा, ग्रुप 'ख'

XIX. पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप 'ख'

2. पिछले वर्षों के UPSC प्रारंभिक परीक्षा में समसामयिक की भारिता (महत्त्व)

यहाँ UPSC के पिछले दस प्रारंभिक परीक्षा (सामान्य अध्ययन-I) में प्रत्येक विषय से पूछे गए प्रश्नों की संख्या का विश्लेषण दिया गया है:

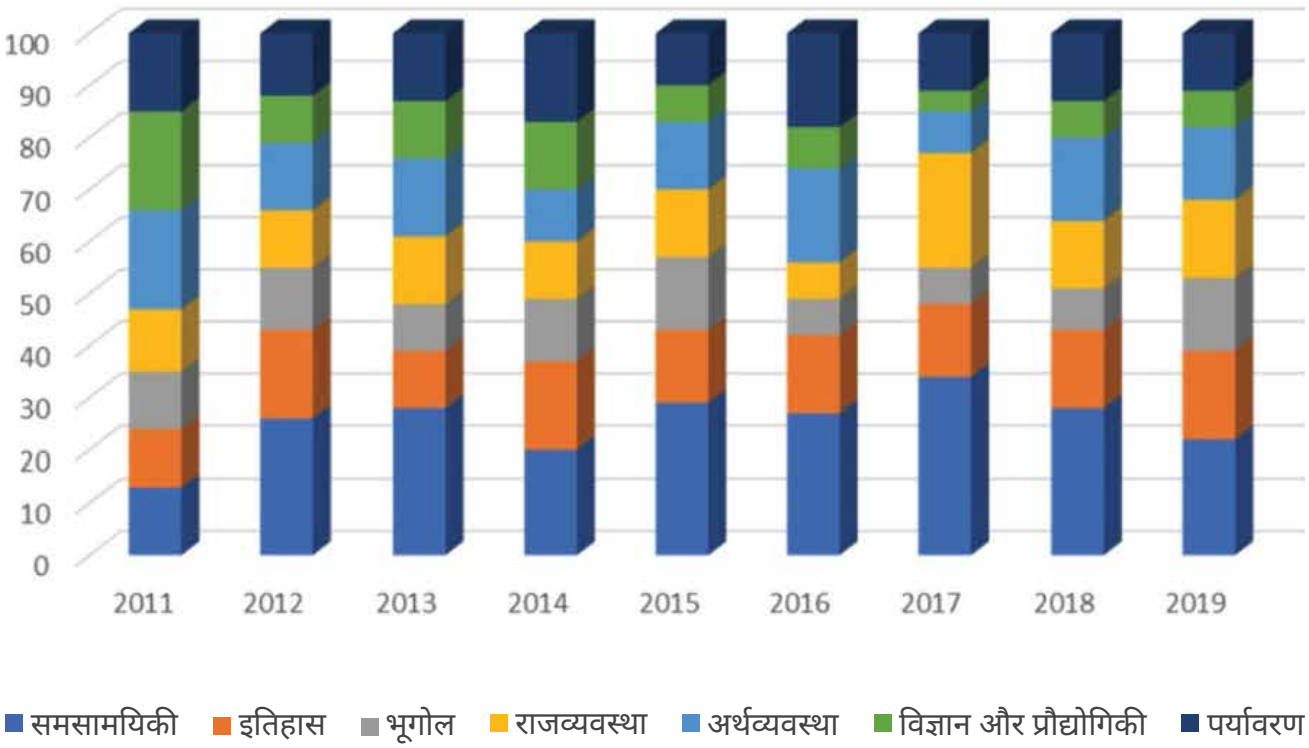

	समसामयिकी	इतिहास	भूगोल	राजव्यवस्था	अर्थव्यवस्था	विज्ञान और प्रौद्योगिकी	पर्यावरण
2011	13	11	11	12	19	19	15
2012	26	17	12	11	13	9	12
2013	28	11	9	13	15	11	13
2014	20	17	12	11	10	13	17
2015	29	14	14	13	13	7	10
2016	27	15	7	7	18	8	18
2017	34	14	7	22	8	4	11
2018	28	15	8	13	16	7	13
2019	22	17	14	15	14	7	11

विश्लेषण

* BYJU'S EXAM PREP IAS द्वारा

3. मुख्य (प्रधान) परीक्षा (व्यक्तिपरक/व्याख्यात्मक प्रकार)

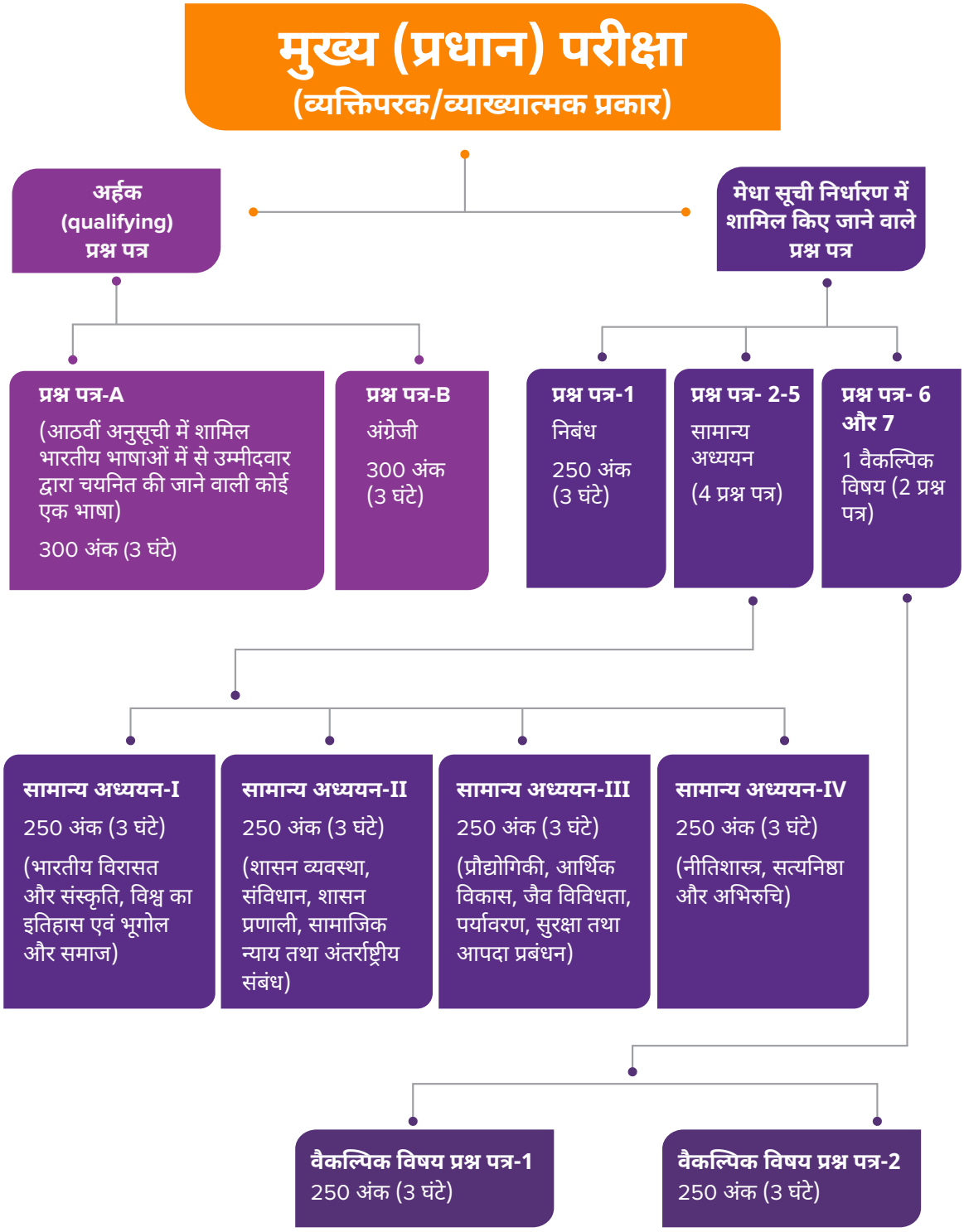

मुख्य (प्रधान) परीक्षा का पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-I

इतिहास

भारतीय विरासत और संस्कृति

- भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।

आधुनिक इतिहास

- 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय।
- स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
- स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।

विश्व का इतिहास

- विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुन:सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।

भूगोल

विश्व और भारत का भौतिक भूगोल

- विश्व के भौतिक- भूगोल की मुख्य विशेषताएं।
- विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये जिम्मेदार कारक।
- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएं, भौगोलिक विशेषताएं और उनके स्थान-अति महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।

सामाजिक मुद्दे

- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता।
- महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय।
- भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।
- सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II

भारतीय राजव्यवस्था (संविधान शासन प्रणाली)

- भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।
- संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय।

शासन व्यवस्था

- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

- भारत एवं इसके पड़ोसी- संबंध।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।
- भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।

सामाजिक न्याय

- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।
- गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय।
- सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III

अर्थव्यवस्था (आर्थिक विकास)

- भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोज़गार से संबंधित विषय।
- समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।
- सरकारी बजट।
- मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली- कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं; किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र।

- भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
- भारत में भूमि सुधार।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।
- बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।
- निवेश मॉडल।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरुकता।

पर्यावरण और पारिस्थितिकी

- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।

आपदा प्रबंधन

- आपदा और आपदा प्रबंधन।

आंतरिक सुरक्षा

- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।
- आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।
- विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-IV

नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

- इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिये प्रश्न-पत्र में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।
- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व , इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
- अभिवृत्ति: सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा।
- सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।
- भावनात्मक समझ: अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।
- लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएं; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कारपोरेट शासन व्यवस्था।
- शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

वैकल्पिक विषयों की सूची

(उम्मीदवार नीचे दिए गए विषयों की सूची में से कोई भी वैकल्पिक विषय चुन सकते हैं)

ग्रुप 1

1. कृषि विज्ञान
2. पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
3. नृविज्ञान
4. वनस्पति विज्ञान
5. रसायन विज्ञान
6. सिविल इंजीनियरी
7. वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि
8. अर्थशास्त्र
9. विद्युत इंजीनियरी
10. भूगोल
11. भू-विज्ञान
12. इतिहास
13. विधि
14. प्रबंधन
15. गणित
16. यांत्रिक इंजीनियरी
17. चिकित्सा विज्ञान
18. दर्शन शास्त्र
19. भौतिकी
20. राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
21. मनोविज्ञान
22. लोक प्रशासन
23. समाज शास्त्र
24. सांख्यिकी
25. प्राणी विज्ञान

ग्रुप 2

1. असमिया
2. बंगाली
3. बोडो
4. डोगरी
5. गुजराती
6. हिन्दी
7. कन्नड़
8. कश्मीरी
9. कोंकणी
10. मैथिली
11. मलयालम
12. मणिपुरी
13. मराठी
14. नेपाली
15. उड़िया
16. पंजाबी
17. संस्कृत
18. संथाली
19. सिंधी
20. तमिल
21. तेलुगू
22. उर्दू
23. अंग्रेजी

साक्षात्कार परीक्षण

1. उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार के परिचयवृत का अभिलेख होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे। यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा की सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय: से की जाती है। मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्क संगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जा सकती है।
2. साक्षात्कार में प्रति परीक्षण (क्रॉस एग्जामिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। इसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का पता लगाने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु वह वार्तालाप की एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।
3. साक्षात्कार परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान के जांच करने से प्रयोजन से नहीं किया जाता है, क्योंकि उसकी जांच लिखित प्रश्न पत्रों से पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे न केवल अपने शैक्षणिक विशेष विषयों में ही पारंगत हो बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि किसी सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा पैदा कर सकती है।

नोट:

साक्षात्कार **275 अंकों** का होता है।

कुल योग: 2025

छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियां

1. पाठ्यक्रम (Syllabus) का बहुत अधिक विशाल या बड़ा होना

- UPSC CSE का पाठ्यक्रम (Syllabus) बहुत विशाल या बड़ा है।
- आपको अक्सर समझ नहीं आता कि शुरूआत कहां से करें।
- ऐसा हो सकता है कि आप किसी कम महत्वपूर्ण विषय पर बहुत अधिक समय या हाई स्कोरिंग विषय पर बहुत कम समय दें।
- ऐसा संभव है कि जब तक आप किसी विषय का पाँचवाँ अध्याय समाप्त करें, तब तक आपको पहले अध्याय के महत्वपूर्ण प्वाइंट याद भी नहीं रहें।

2. पढ़ाई के लिए उपलब्ध बहुत अधिक रिसोर्स

- पढ़ाई के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन उपलब्ध बहुत अधिक रिसोर्स की वजह से कोई भी भ्रमित हो सकता है।
- आप अक्सर समझ नहीं पाएंगे कि कौन सी किताबें पढ़ना सही हैं।
- प्रत्येक लेखक का दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकता है, ऐसे में उन किताबों को चुनना मुश्किल है, जो विषय को पूरी तरह से कवर करती हैं।
- प्रत्येक दृष्टिकोण को कवर करने हेतु आपको एक ही विषय की 3-4 किताबें पढ़नी होंगी और इसके लिए शायद ही आपके पास समय हो।

3. हर समय प्रेरित (मोटिवेटेड) रहना कठिन

- अपनी तैयारी के दौरान हर समय प्रेरित (मोटिवेटेड) रहना कठिन है।
- कड़ी मेहनत के बावजूद मॉक/सेक्शनल टेस्ट में खराब अंक आने से आप हताश हो सकते हैं।
- 150-250 शब्दों में उत्तर लिखने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है जब आपको उस विषय पर बहुत कम या बहुत अधिक जानकारी हो, ऐसे में निराशा हो सकती है।
- आपको अपने उत्तर पर कम अंक क्यों मिल रहे हैं, यह पता न होने से आप डिमोटिवेट हो सकते हैं।

IAS के अभ्यर्थियों के लिए तैयारी की रणनीति

अभ्यर्थियों को अपने समय का ठीक से उपयोग करने तथा उपयोग किए जा सकने वाले रिसोर्स को पढ़ने हेतु कुछ महत्वपूर्ण युक्तियां (टिप्स) मालूम होनी चाहिए। हम कुछ महत्वपूर्ण प्वाइंट बता रहे हैं, जिनको फॉलो करने से निश्चित रूप से UPSC CSE परीक्षा में आपको बहुत मदद मिलेगी।

1. टाइम टेबल तैयार करें

इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाने हेतु सबसे महत्वपूर्ण बात अपने टाइम का मैनेजमेंट करना है। अपने टाइम को मैनेज करने की दिशा में पहला कदम परीक्षा हेतु एक टाइम टेबल तैयार करना है।

- अपना स्टडी प्लान बनाएं जो बिल्कुल स्पष्ट हो और सही तरीके से बना हो। अपना समय अवांछित कार्यों को करते हुए न बिताएं।
- टाइम टेबल में भोजन, आराम तथा नाश्ते के लिए ब्रेक का समय भी लिखें।
- पढ़ने, नोट्स लेने तथा उसको एनॉलाइज करने हेतु कट-ऑफ समय तथा तारीख के साथ हर विषय के लिए समय तय करें।
- करंट अफेयर्स से अपडेट रहने हेतु दैनिक समाचार पत्रों को पढ़ना प्रत्येक IAS अभ्यर्थी के लिए जरूरी है।
- महत्वपूर्ण तिथियों तथा कार्यों के लिए कैलेंडर ऐप में एक टाइम टेबल बनाएं।
- यदि आपको अपने टाइम टेबल का पालन करने में कठिनाई होती है, तो आप इस बारे में अपने मित्रों और परिवार को बता सकते हैं तथा वे टाइम टेबल का पालन करने में आपकी सहायता कर सकते हैं।

2. अपने विषयों को प्राथमिकता दें

- अधिकांश छात्र किसी भी विषय को चुन लेते हैं और परीक्षा की तैयारी शुरू कर देते हैं। वह किसी टाइम टेबल या शेड्यूल को फॉलो नहीं करते है। और कुछ समय बाद वे भ्रमित हो जाते हैं कि उन्होंने क्या पढ़ा है तथा क्या पढ़ना अभी बाकी है।

- विषयों को प्राथमिकता दें और शेड्यूल में टाइमलाइन (समयसीमा) सेट करें। शुरुआत में अपना लक्ष्य कम रखें लेकिन वह ऐसे लक्ष्य हो जिन्हें हासिल किया जा सके।
- आपको प्रीलिम्स और मेन्स दोनों का उत्तर लिखने के प्रैक्टिस के लिए उचित समय देना चाहिए।
- उन विषयों की सूची बनाएं जिनमें आप कमजोर हैं तथा उन्हें उसी के अनुसार तैयार करें।

3. रिवीजन के लिए अतिरिक्त समय रखें

रिवीजन हेतु अतिरिक्त समय होने से छात्रों को उनकी तैयारी में मदद मिल सकती है।

- पाठ्यक्रम (Syllabus) का रिवीजन करने हेतु समय तय करें। उन विषयों को जानने की कोशिश करें जो शायद पूरी तरह छूट गए हों।
- रिवीजन से परीक्षा के दौरान जानकारी को याद रखने में मदद मिल सकती है।
- सभी विषय कवर हो गए है यह सुनिश्चित करने हेतु बेहतर तैयारी के लिए साप्ताहिक / मासिक सेक्शनल टेस्ट ऑनलाइन हल करें।

4. अपनी तैयारी लगातार जारी रखें

- अधिकांश छात्रों को परीक्षा के अंतिम चरण तक लगातार पढ़ाई करने की आदत होती है। इससे परीक्षा से ठीक पहले थकान तथा अनावश्यक तनाव पैदा होगा।
- CSE की तैयारी करना मैराथन है, स्प्रिंट नहीं। यदि आप 10-15 दिनों तक डेली करेंट अफेयर्स अपडेट को पढ़ने से चूक जाते हैं, तो आप इसे कवर नहीं कर पाएंगे।
- अपने तैयारी के शेड्यूल पर बने रहें, इससे आपको अच्छा रिजल्ट दिखना शुरू हो जाएगा।
- हर दिन के लिए तनाव-मुक्त योजना तैयार करें तथा सुनिश्चित करें कि इसमें कुछ समय का ब्रेक भी शामिल हो।

5. परीक्षा की जरूरतों को समझें

- अपनी तैयारी शुरू करने से पहले, यह समझने की कोशिश करें कि UPSC इस परीक्षा में अभ्यर्थियों का टेस्ट कैसे लेता है।

- UPSC के लिए केवल तथ्यात्मक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। इसमें मेन्स परीक्षा के दौरान तथा इंटरव्यू में तथ्यों व डेटा के साथ अपने ओपिनियन को ठीक से सामने रखे पाने की आपकी क्षमता का आकलन भी किया जाता है।
- यह महत्वपूर्ण है कि अपनी तैयारी के दौरान, आपको इस अंतिम लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए।

6. समय बर्बाद न करें

- प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने हेतु अच्छा टाइम मैनेजमेंट होना सबसे महत्वपूर्ण है।
- सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, अपने समय के महत्व को समझे और उसका सम्मान करें।
- सुनिश्चित करें कि परीक्षा की तैयारी हेतु समय का बुद्धिमानी से उपयोग हो। अभी बहुत समय पढ़ाई बाद में करेंगे, यह सोचकर पढ़ाई में देरी हो सकती है। समय बर्बाद करना उचित नहीं है क्योंकि अंतिम समय में पढ़ाई करने पर अधिक विषय होने से अपने ऊपर अनावश्यक बोझ आ सकता है।
- बेहतर रिजल्ट के लिए समय बर्बाद न करें तथा कड़ी मेहनत करें।
- तैयारी के समय ध्यान भटकाने वाली बातों या चीजों से दूर रहें।

BYJU'S EXAM PREP | IAS

About BYJU'S Exam Prep

India's Largest **EdTech** Company

Coaching IAS aspirants for **10+ years**

3 Crore+ Registered Aspirants

1000+ Of Our Students are **IAS Rankers**

Download The App Today!

+91-9650052904

support@byjusexamprep.com

www.byjusexamprep.com

GET IT ON Google Play

The Most Comprehensive Exam Preparation App